B.Ed 1st Year
Session – 2019-2020/2021
Subject – **Contemporary India & Education**
Course – C-2/Unit – 2(d)
Topic – **संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति -1986(1992)**
Modified National Policy of Education-1986(1992)

Dr. Amod Kumar Sinha
Associate Professor
Department of Education
A.N.D. College
Shahpur Patory
Samastipur

Lecture No. - 94

Continued from previous class...

संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति -1986(1992) की विशेषताएं

2. **समानता के लिए शिक्षा** -

B) **अनुसूचित जाति की शिक्षा** - निर्धन परिवारों को इस प्रकार का प्रत्साहन दिया जाए कि वे अपने बच्चों को 14 साल की उम्र तक नियमित रूप से स्कूल भेज सकें। सफाई कार्य, पशुओं की चमड़ी उतारने तथा चर्म शोधन जैसे व्यवसायों में लगे परिवारों के बच्चों के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवित्ति योजना पहली कक्षा से शुरू की जाएगी। जाति के बच्चो के लिए छात्रवासों की संख्या को बढ़ाने का लक्ष्य भी रखा है।

C) **अनुसूचित जनजाति की शिक्षा** - आदिवासी इलाकों में शालाएं खोलने के काम को प्राथमिकता दी जाएगी। इन क्षेत्रों में स्कूल भवनों के निर्माण का कार्य शिक्षा के बजट, जवाहर रोजगार योजना, जनजातीय कल्याण योजनाओं आदि के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर हाथ में लिया जाएगा। आँगन-बाड़ियां, अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र और प्रौढ़-शिक्षा केन्द्र आदिवासी-बहुल इलाकों में प्राथमिकता के आधार पर खोले जाएंगे।

D) **प्रौढ़ शिक्षा** - प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है, **सा विद्या या विमुक्तये** अर्थात्त शिक्षा वह है जो अज्ञान और दमन से मुक्ति दिलाती है। अतः हर व्यक्ति को लिखना-पढ़ना तो आना ही चाहिए। आधुनिक युग में साक्षरता और प्रौढ़ शिक्षा का महत्व बहुत अधिक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रौढ़ शिक्षा को राष्ट्रीय लक्ष्यों से जोड़ने का ध्येय है। इन राष्ट्रीय लक्ष्यों में निर्धनता को दूर करना, राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण, लोगों की सांस्कृतिक सृजनशीलता का संवर्धन, छोटे परिवार के आदर्श का पालन, महिलाओं की समानता आदि। प्रौढ़ शिक्षा में साक्षरता के अलावा, कार्यात्मक ज्ञान और कुशलताओं का विकास एवं शिक्षार्थियों में सामाजिक-आर्थिक वास्तविकता की समझ पैदा करना आदि लक्ष्य शामिल हैं।

To be continued....